Roll No. ..... Total Pages: 04

1408

L.L.B. (First Year) EXAMINATION, 2019

INTERPRETATION OF STATUES

PRINCIPAL OF LEGISLATION

Paper – VII

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 5×8=40]*

Answer all questions in Part - A (150 words each).

All questions carry equal marks.

*खण्ड **अ** में सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 4×15=60]*

Answer any four questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*किन्हीं **चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – A / खण्ड – अ

Q.1 Answer the following questions-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) Discuss -"The rules for the interpretation of fiscal status".

"राज्य कर आरोपित करने वाले कानूनों के निर्वाचन सम्बन्धी नियम" पर चर्चा करो।

(ii) Discuss the Doctrine of Pith and Substance.

सार एवं तत्व के सिद्धान्त पर चर्चा करो ।

(iii) Discuss the guiding rules of Interpretation.

अर्थघटन के मार्गदर्शक नियमों की चर्चा करो।

(iv) Explain the rules of interpretation of Constitution.

संविधान के अर्थघटन के नियम समझाइए।

(v) Explain the principle of Noscitur-a-Sociis.

"साहचर्येण ज्ञायते" के सिद्धान्त को समझाइए।

PART – B / खण्ड– ब

Q.2 "All principles of interpretation help the court to find out the true intention of the legislature." Critically examine.

"निर्वचन के सभी सिद्धान्त विधायिका के आशय को ज्ञात करने न्यायालय की सहायता करते हैं।" आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

Q.3 Bring out the distinction between penal and remedial statutes and the rules of interpretation applicable to them. Discuss the current judicial trend in the interpretation of penal statutes.

दंडिक और उपचारी कानूनों में तथा उन पर अनुप्रयोज्य निर्वचन के नियमों के बीच भेद को स्पष्ट कीजिए। दंडिक कानूनों के निर्वचन में विद्यमान न्यायिक प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

Q.4 What are 'internal' and 'external' aids to the interpretation of statutes? Assess the importance of any two of the following in the interpretation of statutes.

(i) Long Title

(ii) Proviso

(iii) Parliamentary History

(iv) Explanation

कानूनों के निर्वचन में बाह्य तथा आंतरिक सहायक सामग्री क्या हैं? कानूनों के निर्वचन में निम्नलिखित में से किन्हीं दो के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

(i) दीर्घशीर्षक

(ii) परन्तुक

(iii) संसदीय इतिहास

(iv) स्पष्टीकरण

Q.5 Discuss special rules for the interpretation of penal statute.

आपराधिक विधि के निर्वचन सम्बन्धी विशेष नियमों की विवेचना कीजिये।

Q.6 In case of ambiguity, whether Golden Rule or Mischief Rule of Interpretation has to be adopted?

अस्पष्टता की स्थिति में निर्वचन के किस नियम, गोल्डन नियम या मिसचीफ नियम को अपनाना होता है?

Q.7 Discuss the importance of maxim Ut Res Magis Valeat Quam Pereat in the interpretation of statutes.

कानूनों के निर्वचन में इस सूत्र का महत्व–अमान्य से मान्य करना अच्छा है, चर्चा करो।

Q.8 The general presumption is against extra-territorial operation of a statute.' Discuss.

"सामान्य उपधारणा कानूनों के राज्य–क्षेत्रातित प्रवर्तन के विरुद्ध है।" विवेचना कीजिये।